Objective Observation Method : Advantages & Limitations
(वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि के गुण एवं दोष)

Wundt और **Titchener** ने चेतन अनुभूति को मनोविज्ञान की विषय वस्तु माना और **Introspection** को इसकी विधि रूप में स्वीकार किया। लेकिन **Watson** ने इसका विरोध करते हुए व्यवहार **(Behaviour)** को मनोविज्ञान की विषय-वस्तु माना और **Objective Observation** को मनोविज्ञान की विधि के रूप में स्वीकार किया।

वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि में प्राणी की क्रियाओं का अध्ययन प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में किया जाता है। **Direct Observation** में प्राणी की ऐसी क्रियाएँ आती है जिसे हम अपनी आँखों से देख सकते हैं जैसे :- हँसना, दौड़ना, रोना आदि। **Indirect Observation** में वैसी क्रियाएँ आती है जिसे हम अपने आँखों से नहीं देख पाते है जैसे :- पाचन-क्रिया का तीव्र या मन्द होना, रक्त-चाप का बढ़ना या घटना आदि। इन क्रियाओं का **Observation** विशेष प्रकार के यंत्रों से ही संभव हो पाता है। **Objective Observation** दो परिस्थितियों में सम्पन्न होता है - **Natural Condition** एवं **Controlled Condition. Natural Condition** में सम्पन्न होने वाले **Observation** को ही **Objective Observation** की श्रेणी में रखा जाता है। जब **controlled condition** में **objective observation** का उपयोग किया जाता है तो इसे **Experimental Method** से सबंधित माना जाता है। **objective observation** के मुख्य गुण **(Advantage)** निम्न है :-

(1) **Objective method :- Introspective Method** जहाँ **subjective method** है वही **objective observation method** को वस्तुनिष्ठ विधि की श्रेणी में रखा गया है। इस विधि में **Observer** प्राणी के व्यवहार का अध्ययन तटस्थ भाव से उसी रूप में करता है, जिस रूप में वह व्यवहार होता है। यहाँ **observer** न तो दूसरे की बातों पर विश्वास करता है और न ही किसी तरह का अनुमान लगाता है। यही कारण है कि इस विधि से प्राप्त परिणामों की **reliability** अधिक मापी गई है।

(2) **Useful for Framing Hypothesis** (परिकल्पना निर्माण में सहायक) :- चूँकि प्रेक्षण निरंतर व्यक्ति की आदतों, पसंद, समस्याएँ आदि का **Observation** करता रहता है। ये सारे **observation** उसे व्यक्ति के बारे में **Hypothesis** बनाने में मदद करता है। इसीलिए हर शोधकर्त्ता को एक अच्छा **Observer** होना आवश्यक माना गया है।

(3) **Repetition** (पुनरावृत्ति) :- चूँकि **Couscious experience** की तुलना में व्यवहार अधिक स्थिर होता है। इसलिए इसका बार-बार **observation** करना संभव हो पाता है।

(4) **Verification** (प्रमाणीकरण) :- इस विधि में प्रमाणीकरण का गुण भी परिलक्षित होता है। एक प्रेक्षक का निष्कर्ष कहाँ तक सत्य है इसकी जाँच कोई भी दूसरा प्रेक्षक अपने ढंग से कर सकता है।

(5) **An universal Method :- Objective Observation Method** का क्षेत्र काफी व्यापक है। **Introspective method** द्वारा पशु, बच्चे, पागल, गूँगे-बहरे आदि का अध्ययन संभव नहीं है जबकि **Objective Observation Method** द्वारा इन सबों का अध्ययन संभव है इतना ही नहीं मनोविज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषय में भी **Objective observation Method** का व्यवहार होता है। यही कारण है कि इसे **Universal Method** की संज्ञा दी गई है।

(6) **Time & Labour Saving** (अन्तर्निरीक्षण विधि) :- का उपयोग एक समय में एक ही व्यक्ति पर हो सकता है अतः अनेक व्यक्तियों के अध्ययन में अधिक मेहनत करनी पड़ती है जबकि **Objective Observation Method** में सभी व्यक्तियों का अध्ययन एक ही साथ संभव हो जाता है जिससे समय एवं श्रम की बचत होती है।

(7) **Quantitative Method :-** वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण की एक विशेषता यह है कि इस विधि द्वारा ऐसे आँकड़े **(Data)** प्राप्त होते हैं जिनका **Statistical analysis** किया जा सकता है और इस विश्लेषण के आधार पर **reliable result** प्राप्त किया जा सकता है।

(Limitatious of observation Method) :-

(1) <u>चेतन अनुभव के प्रत्यक्ष अध्ययन की अयोग्यता :-</u> वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि द्वारा **Couscious experience** का अध्ययन संभव नहीं हो पाता है। मनोविज्ञान में व्यवहार के साथ-साथ व्यक्ति के चेतन अनुभव का भी अध्ययन किया जाता है। व्यवहार का अध्ययन तो इस विधि द्वारा हो जाता है पर चेतन अनुभव का अध्ययन संभव नहीं हो पाता है।

(2) **Uncontrolled condition** (अनियंत्रित परिस्थिति) :- चूँकि इस विधि द्वारा किसी विषय का अध्ययन अनियंत्रित परिस्थिति में किया जाता है फलतः किसी परिणाम के कारण का ठीक-ठीक पता नहीं लग पाता है। इसका कारण यह है कि अध्ययन विषय पर एक साथ कई **Variables** का प्रभाव परिलक्षित हो सकता है।

(3) **Similar Expression of dissimilar experiences** (भिन्न अनुभवों की अभिन्न अभिव्यक्ति) :- **Observation** के क्रम में यह पाया गया है कि कभी-कभी दो भिन्न चेतन अनुभूतियों की अभिव्यक्ति एक ही तरह के व्यवहार के रूप में परिलक्षित होती है जैसे :- दुःखद और सुखद दोनों अनुभवों के कारण आँखों में आँसू आ सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में यह पता लगाना कठिन है कि ये दुःख के आँसू हैं या खुशी के।

(4) **Un-Natural Study** (अस्वाभाविक अध्ययन) :- **Objective Observation Method** पर एक गंभीर आरोप यह लगता रहा है कि इसके द्वारा जो अध्ययन किया जाता है, वह स्वाभाविक नहीं रह पाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि प्रेक्षक की उपस्थिति से प्राणी का व्यवहार अस्वाभाविक बन जाता है।

(5) **Personal Factors :-** इस विधि का मुख्य दोष यह है कि प्राणी के व्यवहार के **Observation, analysis** एवं **Interpretation** पर **Observer** की मनोवृत्ति, पूर्वधारणा, आवश्यकता, प्रशिक्षण आदि व्यक्तिगत कारणों का प्रभाव पड़ता है जिससे निष्कर्ष के दोषपूर्ण होने की संभावना बढ़ जाती है।

स्पष्ट है कि **Objective observation Method** के कई गुणों के साथ-साथ दोष भी हैं। यही कारण कि मनोविज्ञान की विषय-वस्तु के अध्ययन में **Objective Observation** के साथ-साथ **Introspectivic Method** एवं **experimental method** का व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है।